PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Navbharat Times, Delhi
Tuesday 4th March 2014, Page: 15
Width: 9.00 cms, Height: 11.36 cms, a4, Ref: pmin.2014-03-04.21.92

सरकार सिखाएगी क्वॉलिटी दवा बनाना

रैनबैक्सी पर अमेरिकी प्रतिबंध के बाद उठाया कदम

■ **सुरेश उपाध्याय, नई दिल्ली**

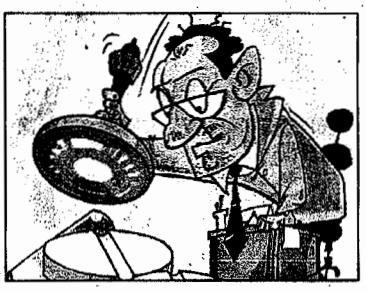

सरकार ने तय किया है कि वह दवा कंपनियों को स्तरीय दवाइयां बनाने के गुर सिखाएगी। यह फैसला भारत की जानी-मानी दवा कंपनी रैनबैक्सी की एक के बाद एक चार इकाइयों से अमेरिका में दवाएं मंगाने पर लगाई गई पाबंदी के बाद किया गया है। इस पाबंदी से न सिर्फ देश की दवा कंपनियों में हड़कंप मचा हुआ है, बल्कि सरकार भी असमंजस में है। उसे लग रहा है कि आने वाले वक्त में दूसरी दवा कंपनियों को भी इस स्थिति दो-चार होना पड़ सकता है और भारत की दवाओं के दुनिया के बाजारों में पहुंचने की रफ्तार थम सकती है।

रैनबैक्सी की चार इकाइयों पर पाबंदी अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने लगाया है। उसका कहना है कि रैनबैक्सी की दवाओं में इंसानी बाल के अलावा अपशिष्ट भी पाए गए। उसका दावा है कि रैनबैक्सी के प्लांट्स का दौरा करने पर उसकी टीम ने वहां कई ऐसी अनिमितताएं पाईं, जिनको स्वीकार नहीं किया जा सकता। उसने रैनबैक्सी की इकाइयों पर बैन लगाने के साथ ही भारत की कई और दवा कंपनियों को वॉर्निंग लेटर्स भी जारी किए हैं। एफडीए की कमिश्नर मार्गरिट ए. हैमबर्ग ने हाल में भारत का दौरा भी किया था। उन्होंने भारत को भरोसा दिलाया है कि किसी भी दवा कंपनी को नाहक परेशान नहीं किया जाएगा।

14